समाहरणालय, मधेपुरा

(आपदा प्रबंधन शाखा)

आपदा प्रबंधन बिहार पटना के पत्र संख्या 4 दिनांक 02.08.14 द्वारा नेपाल के तराई क्षेत्र में भारी वर्षा एवं भूस्खलन होने के कारण कोशी नदी के जल स्राव में अचानक वृद्धि होने पर संभावित बाढ़ से निपटने की तैयारी

आवादी निष्क्रमण एवं राहत शिविर का संचालन –

कोशी नदी जल स्राव में वृद्धि होने पर मधेपुरा जिले का आलमनगर तथा चौसा प्रखंड प्रभावित होता है। उक्त प्रखंडो के अति बाढ़ प्रभावित पंचायत/गाँव, जहाँ से आवादी को निष्क्रमित करने की आवश्यकता होगी वहाँ माईक द्वारा प्रचार प्रसार करा दिया गया है तथा राहत शिवर संचालन करने का आदेश दिया गया है। आलमनगर एवं चौसा प्रखंड के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में निम्नांकित स्थान पर शरण स्थल बनाया गया है –

क्र0	प्रखंड का नाम	बाढ़ से प्रभावित होने वाले गाँव का नाम	मानव शरण स्थल	पशु शरण स्थल
1	आलमनगर	खुरहान, गंगापुर, खापुर	1. खुरहान कन्या मध्य विद्यालय 2. खुरहान कॉलेज	आलमनगर बस स्टैंड के समीप
2	चौसा	मौरसंडा, चिरोरी, लौआलगाम पर्वी, लौआलगाम पश्चिमी,	1. मध्य विद्यालय फुलौत। 2. बाढ़ आश्रय स्थल मौरसंडा 3. निर्माणाधीन बाढ़ आश्रय स्थल, चिरौरी	लालजीत साह हाई स्कूल लौआलगान,

उक्त शरण स्थल पर पूर्व से स्थापित चापाकल/शौचालय के साथ-साथ अतिरिक्त चापाकल एवं शौचालय के लिए कार्यपालक अभियंता पी0 एच0 ई0 डी0 के द्वारा व्यवस्था की जा रही है।

2. उक्त दोनों प्रखंडो आलमनगर एवं चौसा में क्रमशः श्री प्रदीप कुमार झा, वरीय उपसमाहर्त्ता एवं श्री विनय कुमार सिंह, वरीय उपसमाहर्त्ता को प्रखंड का प्रभारी बनाया गया है।

3. उक्त दोनो प्रखंडो के सभी डीलर को खद्यान्न वितरण करने से रोक दिया गया है तथा नजदीक के प्रखंड बिहारीगंज स्थित खाद्यय निगम के गोदाम से संबंद्ध कर दिया गया है।

4. शिविर के लिए रौशनी के व्यवस्था के लिए जेनरेटर की व्यवस्था की गई है।

5. शिविर के लिए मानव एवं पशु चिकित्सको की प्रतिनियुक्ति कर दी गई है।

जिले में उपलब्ध संसाधन -

जिलास्तर पर इन्फलाटेबल मोटरबोट-10, सरकारी देशी नाव-15, निजी देशी नाव-218, महाजाल-2, टेंट-521, पॉलीथीन सीट्स-600, लाईफ जैकेट-200, जी0पी0एस0 सेट-19, प्रशिक्षित मोटरबोट चालक-09, प्रशिक्षित गोताखोर-21

प्रखंड स्तर पर अंचलाधिकारियों द्वारा संसाधन मानचित्रण किया गया है।

तटबंधो की सुरक्षा -

इस जिले में कोई तटबंध नहीं है।

सूचना व्यवस्था -

मुख्य रूप से बाढ़ से प्रभावित होनेवाले 02 प्रखंडों आलमनगर तथा चौसा के प्रखंड विकास पदाधिकारी /अंचल अधिकारी तथा उक्त प्रखंड अंतर्गत पंचायतों के मुखिया का मोबाइल नं0 बाढ़ संबंधित सूचना के लिए पंजीकृत किया गया है। कोशी बराज से छोड़े गये पानी की मात्रा अथवा तराई क्षेत्रों में अधिक वर्षापात की जानकारी एस0एम0एस0 के माध्यम से दी गई है।

नाव/ नाविक की उपलब्धता एवं आवश्यकता -

इस जिले में 15 सरकारी नाव एवं 218 निजी नाव उपलब्ध है।

लाईफ जैकेट /मोटर वोट के परिनियोजन की आकस्मिक व्यवस्था -

इस जिले को 200 लाईफ जैकेट उपलब्ध है, जिसे सभी अंचल को उपलब्ध करा दिया गया है।

इस जिले में 10 इन्फलाटेबल मोटरवोट उपलब्ध है।

मोटरबोट परिचालन हेतु 09 प्रशिक्षित मोटरबोट चालक उपलब्ध हैं।

बांध टुटने की स्थिति में वर्ष 2008 जैसी स्थिति उत्पन्न होने पर की जाने वाली कार्रवाई -

वर्ष 2008 में मधेपुरा जिले का दस प्रखंड बाढ़ से प्रभावित हुआ था। पुरे जिले में 8 मेंगा कैम्प 105 राहत शिविर का संचालन किया गया था। इन्हीं स्थलों को उचे शरण स्थल चिन्हीत् कर तैयार अवस्था में रखा गया है। इन शरण स्थलों में पालीवार सरकारी कर्मियों/पदाधिकारीयो की प्रतिनियुक्ति की जा रही है।

ह० 2/8/14 — प्रभारी पदाधिकारी, आपदा प्रबंधन शाखा, मधेपुरा।

ह० 02/08/14 — जिलाधिकारी, मधेपुरा।

ज्ञापांक 290 /दिनांक 2-8-14 /

प्रतिलिपि - विशेष कार्य पदाधिकारी, आपदा प्रबंधन विभाग, पटना।

ह० 2/8/14 — प्रभारी पदाधिकारी, आपदा प्रबंधन शाखा, मधेपुरा।

ह० 02/08/14 — जिलाधिकारी, मधेपुरा।